पत्रिका नं० ३२

जैन अध्ययन की प्रगति

[अखिल भारतीय प्राच्य विद्या परिषद् के १६ वें अधिवेशन के अवसर पर दिल्ली में 'प्राकृत और जैनधर्म' विभाग के अध्यक्ष पद से ता. २८-१२-५७ को दिया गया व्याख्यान ।]

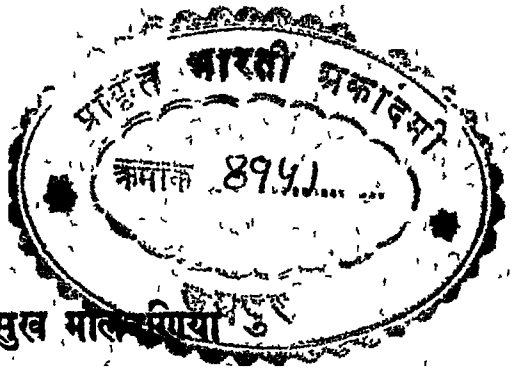

दलसुख मालवणिया